Anandaram Dhekial Phookan College Library * Nagaon : Assam *
Acc. No.
Date

2024

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN–HE–5026

(हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) "राष्ट्रीय कविताओं की उत्कृष्टता की दृष्टि से मैं इनकी कविताओं को 'एक भारतीय आत्मा' की कविताओं से किसी प्रकार हीन नहीं समझता।" रामकुमार वर्मा ने यह कथन किसके संदर्भ में कहा है?

(ख) समाज में नारी की स्थिति को उजागर करने वाले कवि मैथिलीशरण गुप्त की किसी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) माखनलाल चतुर्वेदी को कब साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था?

(घ) रामधारी सिंह 'दिनकर' के प्रथम काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

(ङ) 'मुकुल' काव्य-संकलन कब प्रकाशित हुआ था?

(च) 'भारत की श्रेष्ठता' शीर्षक कविता किस काव्य-संकलन में संकलित है?

(छ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

"द्वारका का ______ जब बंगाल पर छा जाय!"

(ज) अभिषेक किसका होने वाला है?

(झ) 'विप्लव गान' किसकी रचना है?

(ञ) 'झाँसी की रानी' कविता में फिरंगी कौन है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) कवि के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या है?

(ख) "कोटि-कोटि कंठों जय-जय है" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) "तीन ककारों में पड़ी दुनिया तबाह है।" में 'तीन ककार' क्या हैं? लिखिए।

(घ) तुझे देखकर आज हो रहा,
दूना प्रमुदित मन मेरा॥

उपर्युक्त काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'वीरों का कैसा हो वसन्त' शीर्षक कविता का संदेश क्या है?

Anandaram Dhekial Phookan College Library
Acc. No.
Date
* Nagaon : Assam *

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'हमारी सभ्यता' शीर्षक कविता का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

(ख) "मेरी धुन में अपनी साँसें
गूँथ-गूँथ स्वर-हार बना लो।"

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'रक्षा करो देवता' शीर्षक कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(घ) 'झाँसी की रानी' शीर्षक कविता में निहित राष्ट्रीय-चेतना पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ङ) 'वीरों का कैसा हो वसंत' शीर्षक कविता के आधार पर वीरों के लिए वसंत कैसा होना चाहिए?

(च) 'प्राण का शृंगार' शीर्षक कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) "कोई नभ से आग उगल कर
किये शान्ति का दान!
कोई माँज रहा हथकड़ियाँ
छेड़ क्रान्ति की ताना
कोई अधिकारों के चरणों
चढ़ा रहा ईमान,
'हरी घास शूली के पहले
की'—तेरा गुण गान!"

(ख) ''जनता? हाँ, लम्बी-बड़ी जीभ की वही कसम,
जनता, सचमुच ही, बड़ी वेदना सहती है।
''सो ठीक, मगर, आखिर, इस पर जनमत क्या है?''
है प्रश्न गूढ़ जनता इस पर क्या कहती है?''

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा की प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

'''भारत की श्रेष्ठता' शीर्षक कविता में कवि ने भारत के श्रेष्ठत्व का वर्णन किया है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) पठित कविताओं के आधार पर माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं में अनुगुंजित देशप्रेम और राष्ट्रीय-जागरण को रेखांकित कीजिए।

अथवा

'मनुष्यता' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं में निहित प्रमुख स्वरों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारत का यह रेशमी नगर' शीर्षक कविता के माध्यम से कवि की राष्ट्रीय-चेतना को स्पष्ट कीजिए।

★★★

Anandaram Dhekial Phookan College Library * Nagaon : Assam
Acc. No. ....
Date ....